NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 4
Chapter Name : मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय

Q1 लेखक का ऑपरेशन करने से सर्जन क्यों हिचक रहे थे?
Answer.
लेखक को तीन- तीन हार्ट-अटैक आने से उनकी नब्ज़, साँस और धड़कन बंद होने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृतक घोषित कर दिया था। पर डॉक्टर बोर्जेस ने फिर भी हार नहीं मानी थी। उन्होंने नौ सौ वॉल्ट के शॉक्स दिए। इससे प्राण तो लौटे पर लेखक का साठ प्रतिशत हार्ट सदा के लिए खत्म हो गया। जो बचा उसमें भी तीन अवरोध थीं। चालीस प्रतिशत हार्ट पर डॉक्टर कोई रिस्क नहीं लेना चाहते थे, इसलिए सर्जन लेखक के दिल का ऑपरेशन करने से हिचक रहे थे।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q2 'किताबों वाले कमरे 'में रहने के पीछे लेखक के मन में क्या भावना थी ?
Answer.
लेखक की बचपन से किताबों के साथ भावनाएँ जूड़ी हुई थी। लेखक ने बचपन में परी कथाओ में पढ़ा था कि जैसे राजा के प्राण तोते में रहते हैं, उसके शरीर में नहीं होते , वैसे ही लेखक को लगता था कि उसके प्राण शरीर से तो निकल चुके है, वे प्राण इन हज़ारों किताबों में बसे हैं जो पिछले चालीस -पचास सालों में धीरे-धीरे लेखक के पास जमा हुई थीं। लेखक की इच्छा थी अस्पताल से घर आने पर उसको किताबों वाले कमरे में रखा जाए। इसीलिए लेखक को किताबों वाले कमरे में रखा गया।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q3 लेखक के घर कौन- कौन सी पत्रिकाएँ आती थीं ?
Answer.
लेखक के घर में नियमित रूप से पत्रिकाएँ आती थीं क्योंकि लेखक के घर में सब को पढ़ने -पढ़ाने का बहुत शौक था। लेखक के घर बहुत सी पत्रिकाएँ आती थीं जैसे -'आर्यमित्र साप्ताहिक ',' वेदोम', 'सरस्वती', 'गृहिणी', और दो बाल पत्रिकाएँ खास लेखक के लिए - 'बालसखा' और 'चमचम'। इन बाल पत्रिकाओं में परियों ,राजकुमारों, दानवों, और सुंदर राजकन्याओं की कहानियाँ और रेखाचित्र होते थे जो लेखक बड़े चाव से पड़ते थे।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q4 लेखक को किताबें पढ़ने और सहेजने से शौक कैसे लगा ?
Answer.

लेखक को बचपन में ही किताबें पढ़ने का शौक लग गया था क्योंकि बचपन में ही लेखक के घर नियमित रूप से किताबें आती थी । लेखक खाते समय भी किताबें पढ़ता रहता था और उनमें ही खोया रहता था। एक बार लेखक जब पांचवी कक्षा में प्रथम आया और इनाम में लेखक को दो किताबें मिली तो लेखक के पिता ने अलमारी के एक खाने से अपनी चीजें हटाकर जगह बनाई और दोनों किताबें उस खाने में रखकर कहा आज से यह खाना तुम्हारी अपनी लाइब्रेरी है। यहाँ से शुरू हुआ लेखक का किताबें सहेजकर रखने का शौक ।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q5 माँ लेखक की स्कूली पढ़ाई को लेकर क्यों चिंतित रहती थी ?
Answer.
लेखक हर समय पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ता रहता था ये सब लेखक के मन को पुलकित करती थीं। अतः लेखक कक्षा कि किताबें नही पढते थे। माँ स्कूली पढ़ाई पर जोर देती और चिंतित रहतीं कि लेखक पास कैसे होगा ,कहीं साधु बनकर घर से भाग गया तो ? पर लेखक के पिता कहते पढ़ने दो जीवन में यही पढ़ाई काम आएगी।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q6 स्कूल से इनाम में मिली अंग्रेजी की दोनों पुस्तकों ने किस प्रकार लेखक के लिए नई दुनिया के द्वार खोल दिए ?
Answer.
इन दो किताबों ने लेखक के लिए नयी दुनिया जैसे पक्षियों से भरा आकाश और रहस्यों से भरा समुद्र के द्वार खोल दिए। एक किताब लेखक को पक्षियों की जातियों,उनकी बोलियों ,उनकी आदतों की जानकारी देती है। दूसरी किताब 'ट्रस्टी द रग' जिसमें पानी की जहाजों की कथा जैसे जहाज कितने प्रकार के होते है ,कौन - माल लादकर, कहाँ से लाते है, कहाँ ले जाते है, नाविकों की जिंदगी कैसी होती है, कैसे -कैसे द्वीप, और कहाँ ह्वेल कहाँ शार्क होती है आदि की जानकारी देती थी।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q7 'आज से यह खाना तुम्हारी किताबों का। तुम्हारी अपनी लाइब्रेरी है'- पिता के इस कथन से लेखक को क्या प्रेरणा मिली ?
Answer.
लेखक को किताबें पढ़ने का शौक बचपन से था। वह उन किताबों को जिसे पढ़ चुके थे उनको फेंकते नहीं थे। लेखक इनको बार- बार पढ़ता रहता था। जब लेखक को इनाम में दो किताबें मिली तो उनको देखकर लेखक के पिता ने किताबों की अलमारी का एक खाना देते हुए कहा कि आज से यह खाना तुम्हारी किताबों का है तब लेखक को मानो खुद की लाइब्रेरी बनाने की प्रेरणा मिल गई और अलमारी का यही खाना बढ़ते - बढ़ते एक विशाल लाइब्रेरी में बदल गया।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q8 लेखक द्वारा पहली पुस्तक खरीदने की घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
Answer.
लेखक के पास किताबें बेच कर दो रूपये बचे थे।वे दो रूपये लेकर माँ की सहमति से फिल्म देखने गया था। पहला शो खत्म होनी में अभी समय था,पास में एक परिचित की दुकान पर लेखक चला गया था। लेखक ने अचानक देखा कांउटर पर एक पुस्तक थी जिसका नाम था 'देवदास' उसका मूल्य केवल एक रुपया था।दुकानदार ने कहा तुम हमारे पुराने ग्राहक हो इसलिए तुम्हारे लिए इसकी कीमत केवल दस आने ।लेखक का मन पलट गया लेखक ने सोचा कौन देखे डेढ़ रूपये में पिक्चर ? देवदास खरीदी और घर आ गया ।लेखक के जीवन की यह पहली किताब थी जो लेखक ने अपने पैसों से खरीदी थी।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q9' इन कृतियों के बीच अपने को कितना भरा- भरा महसूस करता हूँ'- का आशय स्पष्ट कीजिए।
Answer.
जब लेखक अर्द्धमृत्यु की अवस्था में वापस घर आये। तो लेखक की ज़िद थी कि उसे किताबों वाले कमरे में ही रखा जाये। तो लेखक को महसूस होता कि उनके प्राण इन किताबों में बसे हैं। लेखक जब अपने पुस्तक संग्रह पर नजर डालते तो उसे अपने चारों ओर हिंदी, अंग्रेजी के उपन्यास, संस्मरण, नाटक, कथा, जीवनी संस्मरण , इतिहास आदि की किताबें ही दिखाई देती हैं, जिन्हे देखकर उसे ऐसा लगता है कि मानो वह इन सभी लेखकों से घिरा हुआ है और इन लेखकों के आर्शिवाद से जीवित है।

Page : 34 , Block Name : बोध-प्रश्न

aglasem.com